

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन: भारत-तुर्कमेनस्तान

प्रलम्ब के लिये:

तुर्कमेनस्तान और मध्य एशियाई राष्ट्र, TAPI पाइपलाइन, अश्गाबात समझौता ।

मेन्स के लिये:

भारत और इससे संबंधित चुनौतियों के लिये मध्य एशियाई देशों का महत्त्व ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और तुर्कमेनस्तान के बीच [आपदा प्रबंधन](#) के क्षेत्र में सहयोग पर एक **समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर किये गए ।



प्रमुख बडि

परचिय:

- यह समझौता ज्ञापन एक ऐसी प्रणाली स्थापति करने का प्रयास करता है जिससे दोनों ही देश एक-दूसरे के आपदा प्रबंधन तंत्र से लाभान्वति हों ।
- यह आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में तैयारियों, प्रतिक्रिया और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों को मज़बूत करने में मदद करेगा ।

- वर्तमान में भारत के पास स्वट्रिजरलैंड, रूस, जर्मनी, जापान, ताजकिस्तान, मंगोलिया, बांग्लादेश, इटली और दक्षिण एशियाई कषेत्रीय सहयोग संघ (सारक) के साथ आपदा प्रबंधन के कषेत्र में सहयोग के लिये द्विपक्षीय या बहुपक्षीय समझौते/समझौता ज्ञापन/आशय की संयुक्त घोषणा/सहयोग ज्ञापन हैं।
- **भारत-तुर्कमेनस्तान संबंध:**
 - तुर्कमेनस्तान उत्तर में कज़ाखस्तान, उत्तर व उत्तर-पूरव में उज़बेकस्तान, दक्षिण में ईरान तथा दक्षिण-पूरव में अफगानस्तान के साथ सीमा साझा करता है।
 - भारत की 'कनेक्ट सेंटरल एशिया' नीति 2012 में इस कषेत्र के साथ गहरे पारस्परिक संबंधों की परकिल्पना की गई है जो ऊर्जा संबंधी नीति का एक महत्त्वपूरण घटक है।
 - भारत अश्गाबात समझौते में शामिल है, जिसमें व्यापार और नविश को महत्त्वपूरण रूप से आगे बढ़ाने हेतु मध्य एशिया को फारस की खाड़ी से जोड़ने वाला एक अंतरराष्ट्रीय परिवहन और पारगमन गलियारा स्थापित करने की परकिल्पना की गई है।
 - भारत **तापी (TAPI) पाइपलाइन** (तुर्कमेनस्तान, अफगानस्तान, पाकस्तान और भारत) को तुर्कमेनस्तान के साथ अपने आर्थिक संबंधों में एक 'प्रमुख स्तंभ' मानता है।
 - वर्ष 2015 में 'फ्रीडम इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड लैंग्वेजेज़', अश्गाबात में हर्दि पीठ की स्थापना की गई, जहाँ विश्वविद्यालय में छात्रों को हर्दि पढ़ाई जाती है।
 - भारत ITEC (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) कार्यक्रम के तहत तुर्कमेनस्तान के नागरिकों को प्रशिक्षण प्रदान करता है।
 - तुर्कमेनस्तान **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद** में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करता है।
 - तुर्कमेनस्तान 40 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था है, लेकिन भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार इसकी क्षमता से कम है। भारत तुर्कमेनस्तान में विशेष रूप से सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) कषेत्र में अपनी आर्थिक उपस्थिति बढ़ा सकता है। इससे भविष्य के व्यापार संतुलन को बनाए रखने में मदद मिलेगी।
 - हाल ही में **भारत-मध्य एशिया वार्ता** की तीसरी बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।
 - यह भारत और मध्य एशियाई देशों जैसे कज़ाखस्तान, करिगज़िस्तान, ताजकिस्तान, तुर्कमेनस्तान और उज़बेकस्तान के बीच एक मंत्री स्तरीय संवाद है।

स्रोत- पी.आई.बी

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mou-in-the-field-of-disaster-management-india-turkmenistan>

